सामाजिक विज्ञान

कक्षा 9 (भूगोल)

अध्याय 4: जलवायु

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

प्रश्न 1. नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर सुनें।

(i) नीचे दिए गए स्थानों में किस स्थान पर विश्व में सबसे अधिक है?
(क) सिलचर **(ख) चेरापूंजी**
(ग) मासिनराम **(घ) गुवाहाटी**
उत्तर: (ग) मासिनराम

(ii) ग्रीष्म ऋतु में उत्तरी मैदान में बहने वाली पवन को निम्नलिखित में से क्या कहा जाता है?
(क) काल वैशाखी **(ख) व्यापारिक पवनें**
(ग) लू **(घ) इनमें से कोई नहीं**
उत्तर: (ग) लू

(iii) भारत में मानसून का आगमन निम्नलिखित में से होता है-
(क) मई के प्रारंभ में **(ख) जून के प्रारंभ में**
(ग) जुलाई के प्रारंभ में **(घ) अगस्त के प्रारंभ में**
उत्तर: (ख) जून के प्रारंभ में

(iv) निम्नलिखित में से कौन-सी भारत में शीत ऋतु की विशेषता है?
(क) गर्म दिन एवं गर्म रातें **(ख) गर्म दिन एवं ठंडी रातें**
(ग) ठंडा दिन एवं ठंडी रातें **(घ) ठंडा दिन एवं गर्म रातें**
उत्तर: (ख) गर्म दिन एवं ठंडी रातें

प्रश्न 2. निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए।
(i) भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कौन-कौन से कारक हैं?
उत्तर: भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक निम्न हैं:
(1) अक्षांश
(2) ऊँचाई
(3) वायुदाब एंव पवन
(4) समुद्र से दुरी
(5) महासागरीय धाराएँ
(6) उच्चावच लक्षण

MUKUTclasses

(ii) भारत में मानसूनी प्रकार की जलवायु क्यों है?
उत्तर: भारत में मानसूनी प्रकार की जलवायु के निम्नलिखित कारण हैं:
1. मानसूनी जलवायु में मौसम के अनुसार पवनों की दिशा में परिवर्तन होता है।
2. भारत की जलवायु में भी पवनें गर्मी में समुद्र से स्थल की ओर तथा शीत ऋतु में स्थल से समुद्र की ओर चलती हैं।
3. देश की 80 प्रतिशत से ज्यादा वर्षा मानसूनी पवनों से होती है।

(iii) भारत के किस भाग में दैनिक तापमान अधिक होता है एवं क्यों?
उत्तर: भारत के मरुस्थलीय भागों में दैनिक तापमान अधिक होता है। गर्मियों में तापमान 50° तक पहुंच जाता है। क्योंकि इस मांग में रेतीली भूमि है और वह जल्दी गर्म हो जाती है।

(iv) किन पवनों के कारण मालाबार तट पर वर्षा होती है?
उत्तरः मालाबार तट पर वर्षा दक्षिणी-पश्चिमी मानसूनी पवनों के कारण होती है।

(v) मानसून को परिभाषित करें। मानसून में विराम से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:मानसून अरबी शब्द "मौसिम" से बना है जिसका अर्थ मौसम होता है। वर्ष के दौरान ऋतुओं के अनुसार हवाओं की दिशा में परिवर्तन को मानसून कहते है।

मानसून में विराम:- मानसूनी वर्षा में एक वर्षा रहित अंतराल आता है, जब वर्षा में विराम आ जाता है। जब मानसूनी गर्त का अक्ष हिमालय के समीप चला जाता है तब मैदानों में कुछ समय तक शुष्क अवस्था रहती है। इसे ही मानसून में विराम कहते है।

(vi) मानसून को एक सूत्र में बाँधने वाला क्यों समझा जाता है?
उत्तर: संपूर्ण भारतीय भूदृश्य, इसके जीव तथा वनस्पति, इसका कृषि - चक्र, मानव-जीवन तथा उनके त्यौहार - उत्सव, सभी इस मानसूनी लय के चारों ओर घूम रहे हैं। उत्तर से दक्षिण तथा पूर्व से पश्चिम तक संपूर्ण भारतवासी प्रति वर्ष मानसून के आगमन की प्रतीक्षा करते हैं। ये मानसूनी पवनें हमें जल प्रदान कर कृषि की प्रक्रिया में तेजी लाती हैं एवं संपूर्ण देश को एक सूत्र में बाँधती हैं।

प्रश्न 3. उत्तर भारत में पूर्व से पश्चिम की ओर वर्षा की मात्रा क्यों घटती जाती है?
उत्तर: उत्तर भारत में पूर्व से पश्चिम की ओर वर्षा की मात्रा इसलिए घटती जाती है क्योंकि बंगाल की खाड़ी से मानसून भारत में सबसे पहले उत्तर पूर्व में प्रवेश करती है । ऊंचे हिमालय पर्वत इन्हें आगे नहीं जाने देते । अधिक आर्द्रता होने के कारण पवनों की यह शाखा इस भाग में खूब वर्षा करती है। जैसे-जैसे ये पवनें पश्चिम की तरफ बढ़ती हैं, वैसे-वैसे इनकी आर्द्रता कम हो जाती है।

4. कारण बताएँ ।
(i) भारतीय उपमहाद्वीप में वायु की दिशा में मौसमी परिवर्तन क्यों होता है?
उत्तर: सर्दी के मौसम में हिमालय के उत्तर में उच्च दाब का क्षेत्र बन जाता है, ठंडी शुष्क पवनें उत्तर से दक्षिण की और बहती है। जबकि गर्मियों में हिंद महासागर में उच्च वायु दाब का क्षेत्र बन जाता है। इस प्रकार पवनें उच्च दाब के क्षेत्र से, उत्तर में निम्न दाब क्षेत्र की ओर बहने लगती है। यही कारण है की पवनो की दिशा उलट जाती है।

(ii) भारत में अधिकतर वर्षा कुछ ही महीनों में होती है।
उत्तर:
1. भारत में 80% से अधिक वर्षा मानसूनी पवनों से होती हैं।
2. ये पवनें वर्ष के कुछ ही महीने जून से सितम्बर तक ही बहती है।
3. इन महीनों में पवनें समुद्र से स्थल की ओर चलती हैं।
4. ये पवनें अपने साथ बहुत अधिक मात्रा में जलवाष्प और नमी लाती है जो वर्षा करती है।
5. बाकी महीनों में बारिश नहीं होती है क्योंकि पवनें स्थल से समुद्र की ओर चलती है।

(iii) तमिलनाडु तट पर शीत ऋतु में वर्षा होती है।
उत्तर: शीत ऋतु में भारत में उत्तर-पूर्वी व्यापारिक पवनें चलती हैं। ये स्थल से समुद्र की ओर बहती हैं। इसलिए देश के अधिकतर भाग में शुष्क मौसम होता है। इन पवनों के कारण कुछ मात्रा में वर्षा तमिलनाडु के तट पर होती है, क्योंकि वहाँ ये पवनें समुद्र से स्थल की ओर बहती हैं।

(iv) पूर्वी तट के डेल्टा वाले क्षेत्र में प्रायः चक्रवात आते हैं।
उत्तर: ऐसा इस कारण होता है क्योंकि अंडमान के पास महासागर पर पैदा होने वाला चक्रवातीय दबाव उष्ण कटिबंधीय जेट धाराओं द्वारा देश के तटीय भागों की ओर स्थानांतरित कर दिया जाता है।

(v) राजस्थान, गुजरात के कुछ भाग तथा पश्चिमी घाट का वृष्टि छाया क्षेत्र सूखा प्रभावित क्षेत्र है।
उत्तर: राजस्थान, गुजरात के कुछ भाग तथा पश्चिमी घाट के वृष्टि छाया क्षेत्र का ढाल मानसूनी पवनों को रोक नहीं पाते, इसलिए इन स्थानों पर वर्षा नहीं होती।

प्रश्न 5. भारत की जलवायु अवस्थाओं की क्षेत्रीय विभिन्नताओं को उदाहरण सहित समझाएँ ।
उत्तर: भारत की जलवायु अवस्थाओं में क्षेत्रीय विभिन्नताओं के कुछ उदाहरण इस प्रकार है:
1. गर्मियों में, राजस्थान के मरुस्थल में कुछ स्थानों का तापमान लगभग 50° से० तक पहुँच जाता है, जबकि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में तापमान लगभग 20° से० रहता है।
2. सर्दी की रात में, लेह-लद्दाख में तापमान -45° से० तक हो जाता है, जबकि थिरुवनंथपुरम् में यह 22° से कम हो सकता है।
3. मेघालय में वर्षा 400 से०मी० से अधिक जबकि लद्दाख एवं पश्चिमी राजस्थान में यह 10 से०मी० से भी कम होती है।
4. देश के अधिकतर भागों में जून से सितंबर तक वर्षा होती है, लेकिन कुछ क्षेत्रों जैसे तमिलनाडु तट पर अधिकतर वर्षा अक्टूबर एवं नवंबर में होती है।

प्रश्न 6. शीत ऋतु की अवस्था एवं उसकी विशेषताएँ बताएँ ।

उत्तर:

1. उत्तरी भारत में शीत ऋतु मध्य नवंबर से आरंभ होकर फरवरी तक रहती है।
2. भारत के उत्तरी भाग में दिसंबर एवं जनवरी सबसे ठंडे महीने होते हैं।
3. दक्षिण से उत्तर की ओर तापमान घटता जाता है। पूर्वी तट पर चेन्नई का औसत तापमान 24° सेल्सियस से 25° सेल्सियस के बीच होता है, जबकि उत्तरी मैदान में यह 10° सेल्सियस से 15° सेल्सियस के बीच होता है।
4. इस ऋतु में दिन गर्म तथा रातें ठंडी होती हैं। उत्तर में तुषारापात सामान्य है तथा हिमालय के उपरी ढालों पर हिमपात होता है।
5. इस ऋतु में, देश में उत्तर-पूर्वी व्यापारिक पवनें प्रवाहित होती हैं। ये स्थल से समुद्र की ओर बहती हैं तथा इसलिए देश के अधिकतर भाग में शुष्क मौसम होता है।

प्रश्न 7. भारत में होने वाली मानसूनी वर्षा एवं उसकी विशेषताएँ बताएँ ।

उत्तर: भारत में होने वाली मानसूनी वर्षा की विशेषताएँ:

1. भारत में मानसून की शुरुआत जून महीने में होती है।
2. समुंद्र से नमी लेकर मानसूनी पवनें लगभग पूरे भारत में वर्षा करती है।
3. मानसूनी पवनें 30 कि.मी. प्रति घंटे के औसत वेग से चलती है।
4. मानसून की समाप्ति अक्टूबर महीने में होती है।

मानचित्र कौशल

भारत के रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित को दर्शाएँ-
(i) 400 सें०मी० से अधिक वर्षा वाले क्षेत्र
(ii) 20 सें०मी० से कम वर्षा वाले क्षेत्र
(iii) भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून की दिशा